

मैं तेरा शुकर करूँ | By Sheetal Pandey

मैं तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा ज़िकर करूँ
काहे फिकर करूँ

आँखें नम हो जाएँ माँ जब
बीते कल का ज़िकर करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा ज़िकर करूँ
काहे फिकर करूँ
चरणों शीश धरूँ

बड़ी सुनी है मैया मैंने
इस दुनिया की बातें
श्रद्धा भाव से करता रहा माँ
मैं तेरे जगराते
भक्ति में शक्ति है अम्बे
यही सोच के सबर करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा ज़िकर करूँ
काहे फिकर करूँ
चरणों शीश धरूँ

सच्ची ज्योत में मैया मैंने
दर्शन तेरे पाएँ
जिसको आसरा तेरा दाती
वो काहे घबराये
तू ही तू दिखती है मैया
मैं जहाँ पर नज़र करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा शुकर करूँ
मैं तेरा ज़िकर करूँ
काहे फिकर करूँ
चरणों शीश धरूँ

माँ तेरे आँचल की शीतल
छाया मैंने पाई
सुख सागर की बरखा अम्बे
तूने है बरसाई
इतनी कृपा चाहे तानु
अच्छे वक्त की कदर करूँ
अपना आज जो देखूँ मैया
हर पल तेरा शुकर करूँ

मैं तेरा शुकर करू
मैं तेरा ज़िकर करू
काहे फिकर करू
चरणों शीश धरू

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%81-by-sheetal-pandey/>